विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　दिनांक -30-07-2020

विषय -हिन्दी　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज नामधातु क्रिया के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे ।

नामधातु क्रिया - संज्ञा अथवा विशेषण के साथ क्रिया जोड़ने से जो संयुक्त क्रिया बनती है, उसे 'नामधातु क्रिया' कहते हैं।

जैसे- लुटेरों ने जमीन हथिया ली। हमें गरीबों को अपनाना चाहिए।
उपर्युक्त वाक्यों में हथियाना तथा अपनाना क्रियाएँ हैं और ये 'हाथ' संज्ञा तथा 'अपना' सर्वनाम से बनी हैं। अतः ये नामधातु क्रियाएँ हैं।

इस प्रकार,
जो क्रियाएँ संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा अनुकरणवाची शब्दों से बनती हैं, वे नामधातु क्रिया कहलाती हैं।

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा अनुकरणवाची शब्दों से निर्मित कुछ नामधातु क्रियाएँ इस प्रकार हैं :

संज्ञा शब्द	**नामधातु क्रिया**
शर्म	शर्माना
लोभ	लुभाना
बात	बतियाना
झूठ	झुठलाना
लात	लतियाना

संज्ञा शब्द	**नामधातु क्रिया**
दुख	दुखाना

सर्वनाम शब्द	**नामधातु क्रिया**
अपना	अपनाना

विशेषण शब्द	**नामधातु क्रिया**
साठ	सठियाना
तोतला	तुतलाना
नरम	नरमाना
गरम	गरमाना
लज्जा	लजाना
लालच	ललचाना
फ़िल्म	फिल्माना

अनुकरणवाची शब्द	**नामधातु क्रिया**
थप-थप	थपथपाना
थर-थर	थरथराना
कँप-कँप	कँपकँपाना
टन-टन	टनटनाना
बड़-बड़	बड़बड़ाना
खट-खट	खटखटाना
घर-घर	घरघराना

द्रष्टव्य- नामबोधक क्रियाएँ संयुक्त क्रियाएँ नहीं हैं। संयुक्त क्रियाएँ दो क्रियाओं के योग से बनती है और नामबोधक क्रियाएँ संज्ञा अथवा विशेषण के मेल से बनती है। दोनों में यही अन्तर है।

लिखकर याद करें।